kxaa: navama
naama:
idnaaMk:

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़कर दिए गए प्रश्नों के अत्यंत संक्षेप में उत्तर लिखिए- **5**

संतौं भाई आई ग्याँन की आँधी।
भ्रम की टाटी सबै उड़ाँनी, माया रहै न बाँधी।।
हिति चित्र की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।
गिस्नाँ छाँनि परि धर ऊपरि, कुबधि का भाँडाँ फूटा।।

जोग जुगाति करि संतौ बाँधी, निरचू चुबै न पाँणी।
कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँगी।।
आँधी पीछै जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींनाँ।
कहै कबीर, माँन के प्रकटे उदित भया तम खीनाँ।।

(क) ज्ञान की आँधी का भक्त के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? **1**

(ख) 'बलिंडा' शब्द का अर्थ क्या है? **1**

(ग) काव्यांश से अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण छाँटिए **½+½**

(घ) काव्य भाषा पर टिप्पणी कीजिए। **1**

(ङ) कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना आँधी से क्यों की है? **1**

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अत्यन्त संक्षेप में लिखिए : 5

हिंदू मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाइ।
कहै कबीर सो जीवता, जो दुहुँ के निकटि न जाइ।।

(i) कबीर ने किनको मरे हुए व्यक्तियों के समान माना है? **1**

(ii) 'जीवता' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है? **1**

(iii) उपर्युक्त साखी से हमें क्या सीख मिलती है? **1**

(iv) 'मूआ' विशेषण का कौन सा शब्द विरोधी विशेषण हो सकता है? **1**

(v) अनुप्रास अलंकार का प्रयोग उपर्युक्त दोहे में समझाइए। **1**

Ealmatl esa Qalr